हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 45 | लखनऊ शनिवार 15 नवम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

बिहार चुनाव परिणाम

एनडीए 200 पार...बिहार में नीतीश सरकार

पीएम मोदी ने बिहार चुनाव को लेकर दी पहली प्रतिक्रिया

पटना। बिहार में जनादेश की बहार में 'नीतीशे कुमार' पर जनता ने एक बार फिर ऐतबार जता दिया। अपनी सेहत और नेतृत्व पर महागठबंधन की तरफ से उठते सवालों के बावजूद वे जनता की पसंद बने रहने में कामयाब हुए। 'तेजस्वी का प्रण' काम नहीं आया। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी बेअसर साबित हुई। जानिए, नीतीश की इस बंपर जीत के मायने क्या हैं? इसके बड़े कारण क्या हैं? 1. पहला कारण- नीतीश के नेतृत्व पर भरोसा इस चुनाव में किस बात की सबसे ज्यादा चर्चा रही? इसका जवाब है- नीतीश कुमार और उनका नेतृत्व। ...भारत जैसे लोकतंत्र में हर चुनाव अहम है। राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक बिहार की बात करें, तो इस बार यहां चुनाव इसलिए खास रहे क्योंकि वहां नीतीश कुमार लंबे समय से सत्ता में हैं। वे 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कहने पर बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। बाद के वर्षों में उन्होंने गठबंधन बदले, लेकिन सत्ता उनके इर्द-गिर्द ही रही। अब तक वे कुल नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। 2020 के बाद से ही वे तीन बार शपथ ले चुके थे। अब 10वीं बार की तैयारी में हैं। इस बार चुनाव में बड़ा सवाल यह था कि क्या नीतीश कुमार सत्ता विरोधी लहर का सामना कर पाएंगे? इस बार उनकी पार्टी जनता दल-यूनाइटेड 101 सीटों पर चुनाव में उतरी थी। महागठबंधन शुरूआत में यह दबाव बनाने में कामयाब रहा कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया जा रहा है। नतीजतन, भाजपा के बड़े नेताओं ने बार-बार यह कहकर नीतीश के नेतृत्व पर मुहर लगा दी कि जीत के बाद तो वे ही विधायक दल के नेता चुने जाएंगे। 2. दूसरा कारण- बंपर मतदान बिहार में इस बार दो चरण में मतदान हुआ। पहले चरण में 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान हुआ। कुल 65.08 फीसदी वोट पड़े। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटें पर मतदान हुआ। कुल 69.20 फीसदी वोट पड़े। इस तरह दोनों चरणों को मिलाकर देखा जाए, तो इस बार कुल मतदान 67.13 फीसदी मतदान हुआ। यह सिर्फ एक सामान्य आंकड़ा नहीं है क्योंकि बिहार के अब तक के चुनाव इतिहास में इतना ज्यादा मतदान कभी नहीं हुआ। चुनावी विश्लेषकों और चुनावी इतिहास के आंकड़ों पर गौर करें, तो यह सामान्य धारणा मानी जाती है ।

नीतीश की बंपर जीत के क्या मायने

एनडीए में कोई दल बड़ा या छोटा नहीं

बोले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष- भारी बहुमत से बनेगी सरकार

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में कोई दल बड़ा या छोटा नहीं है। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 206 पर बढ़त के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन बिहार चुनाव में भारी जीत दर्ज करने की ओर अग्रसर है। भाजपा लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जद (यू) से बेहतर प्रदर्शन करती दिख रही है। जायसवाल ने कहा कि यह जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास नीति के प्रति लोगों के भारी समर्थन को दर्शाता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए विकास कार्यों को लोगों ने पसंद किया है। उन्होंने हमें अपार जीत, अभूतपूर्व सफलता दी है। इसके लिए हम उनके प्रति सिर झुकाते हैं। जब उनसे पूछा गया कि भाजपा अपने हिस्से की 101 सीटों में से 95 पर आगे है और जद (यू) 84 पर आगे है तो क्या इससे गठबंधन के भीतर

संतुलन प्रभावित होगा, तो जायसवाल ने कहा, राजग में कोई दल बड़ा या छोटा नहीं है। कृपया इसमें मत पड़िए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी 2020 की तरह इस बार भी फिर आगे चल रही है। महिला मतदाताओं के समर्थन पर सवाल किए जाने पर उन्होंने संयमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा, लोगों ने हमें भारी जनादेश दिया है। हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए और उनके सामने सिर झुकाना चाहिए। यही इस समय सबसे महत्वपूर्ण है। चुनावी रुझानों ने व्यापक राजनीतिक बदलाव का संकेत भी दिया। 2020 में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) इस बार संघर्ष करती दिखी, कांग्रेस केवल कुछ सीटों पर आगे रही और महागठबंधन (स्थानीय तौर पर इंडिया ब्लॉक) बिखरा हुआ दिखाई दिया। राजग में जद (यू) के मजबूत प्रदर्शन 2020 के मुकाबले लगभग दोगुनी सीटों की ओर बढ़त का श्रेय कार्यकर्ताओं ने मोदी गारंटी और नीतीश कुमार की अच्छे शासन-सुशासन की छाप के मेल को दिया। उन्होंने कहा, आज राजग बिहार की जनता को प्रणाम करता है। जनता के जनादेश से बड़ा कुछ नहीं।

सार संक्षेप

विकास का मार्ग चुनने के लिए बिहार की जनता को बधाई: रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना में राजग के बड़ी जीत की ओर बढ़ने के मद्देनजर राज्य के लोगों को विकास का रास्ता चुनने के लिए बधाई दी। एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली और बिहार आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली और बिहार के लोगों को बधाई। रुझान बता रहे हैं कि राजग जीत की ओर बढ़ रहा है... मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने विकास का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने के लिए बिहार के लोगों को मेरी ओर से शुभकामनाएं। गुप्ता भाजपा शासित 14 राज्यों में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए राज्य का कई बार दौरा किया था। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार में भारी बढ़त हासिल कर ली है।

दिल्ली ब्लास्ट को लेकर सुरक्षा बलों ने पुलवामा में की बड़ी कार्रवाई,

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट मामले के आरोपी डॉ. उमर नबी के घर को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नियंत्रित विस्फोट के जरिए ढाँचे को ध्वस्त किया गया। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया था और तोड़फोड़ से पहले निवासियों को घर खाली करने को कहा गया था। जांचकर्ताओं ने अब तक खुलासा किया है कि डॉ. उमर ही सोमवार शाम लाल किले के पास विस्फोट वाली आई20 कार चला रहा था।

विस्फोट के कारण कई लोगों की जान चली गई थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हालांकि इस तोड़फोड़ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है। उनके अनुसार, इस कदम का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर परिणाम होते हैं, न केवल संबंधित व्यक्तियों के लिए, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी।

एनडीए की जीत पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

बढ़-चढ़कर करेंगे काम

बिहार। मोदी ने आगे लिखा कि बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार जीत दर्ज की। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक पर प्रभावशाली बढ़त हासिल की। साथ ही नवीनतम रुझानों से यह भी संकेत मिला कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। मोदी ने आगे लिखा कि बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने लिखा कि एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैं एनडीए के प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। उन्होंने जनता के बीच जाकर हमारे विकास के एजेंडे को सामने रखा और विपक्ष के हर झूठ का मजबूती से जवाब दिया। मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं! उन्होंने वादा किया कि आने वाले समय में हम बिहार के विकास, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य की संस्कृति को नई पहचान देने के लिए बढ़-चढ़कर काम करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की भव्य और अभूतपूर्व विजय ने बिहार प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के चुनावी इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया है। यह विकास की राजनीति की एक ऐतिहासिक जीत है। इस बार के चुनावों में एनडीए को मिलने वाला तीन चौथाई बहुमत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व, उनकी विश्वसनीयता तथा सुशासन और विकास की राजनीति में जनता के अटूट भरोसे का प्रमाण है। प्रधानमंत्रीजी को इस महाविजय की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ।

भाजपा मुख्यालय पर विजयोत्सव, दी बधाई

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव में राजग गठबंधन को मिली प्रचंड जीत के बाद शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर विजयोत्सव मनाया गया। पार्टी प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विजय की बधाई दीं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा यह जीत बिहार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व पर अटूट विश्वास का प्रमाण है तथा एनडीए गठबंधन की जनसेवा, गरीब कल्याण, विकसित भारत एवं जनकल्याण की प्रभावशाली नीतियों की अटूट जीत है। इस जीत के लिए बिहार के देवतुल्य जनता -जनार्दन, कर्मशील पार्टी पदाधिकारियों एवं ऊर्जावान कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। विजयोत्सव में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, प्रदेश मंत्री शिवभूषण सिंह, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह, मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, अवनीश त्यागी, मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सहप्रभारी अतुल अवस्थी व चौधरी लक्ष्मण सिंह, युवा नेता नीरज सिंह, सदस्य विधान परिषद राम चद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

अटल का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी : शर्मा

लखनऊ। अटल जन्मशताब्दी समारोह 2025 का तीन दिवसीय समारोह शुक्रवार को संपन्न हो गया। गोमती नगर स्थित उर्दू अकादमी में ध्रुवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शहर के तीन प्रतिष्ठित स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक एवं सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह में सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, भाजपा नेता रजनीश गुप्ता, पार्षद राजीव बजपाई, आनंद पांडेय, दीपक सोनकर शैलू एवं इन्दल गौतम ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और राष्ट्र व साहित्य में उनके योगदान को याद करते हुए इस सांस्कृतिक आयोजन की सराहना की। मुकेश शर्मा ने कहा कि अटल का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। युवाओं को उनके विचारों से जोड ?ा समाज के लिए महत्वपूर्ण प्रयास है। अन्य अतिथियों ने भी ध्रुवी चैरिटेबल ट्रस्ट के समाजसेवी कार्यों और सांस्कृतिक योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से सिया मौर्या ने किया। साथ ही वैष्णवी ने भावपूर्ण कथक नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसका दर्शकों ने तालियों से स्वागत किया। इस अवसर पर काव्य सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें सम्मानित कवि पियूष अग्निहोत्री और हेमा पांडेय ने अटल की कविताओं और विचारों से प्रेरित रचनाएँ सुनाकर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। साथ ही अटल की स्मृति में आयोजित निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, कविता वाचन और क्विज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा पियूष चन्दन और नेहा श्रीवास्तव आयोजन का संचालन किया।

बैंक फ्रॉड मामला : अनिल अंबानी पूछताछ के लिए ईडी के सामने नहीं हुए पेश, वर्चुअल पेशी का नहीं मिला था कोई संदेश

नई दिल्ली। रिलायंस एडीएजी समूह के अनिल डी.अंबानी शुक्रवार को बैंक फ्रॉड मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली मुख्यालय में पेश नहीं हुए। हालांकि, उन्होंने वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा है। अनिल अंबानी की ओर से जारी एक बयान में, कंपनी ने कहा कि वह सभी मामलों में ईडी के साथ पूरा सहयोग करेगी और वर्चुअल माध्यम से पेश होने को तैयार है। ईडी सूत्रों के अनुसार, उन्हें अभी तक अनिल अंबानी या उनकी कंपनी से ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है। अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में कहा गया,

अनिल डी. अंबानी को ईडी की ओर से भेजा गया समन फेमा जांच से संबंधित है, न कि पीएमएलए के किसी मामले से इसका जुड़ाव है। बयान में आगे कहा गया, ष्अनिल डी. अंबानी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक लगभग पंद्रह वर्षों तक कंपनी में केवल एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के डे-टू-डे मैनेजमेंट में कभी शामिल नहीं रहे। ईडी ने समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को 14 नवंबर को फिर से तलब किया था। अगस्त में ईडी मुख्यालय में कथित 17,000 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में उनसे लगभग नौ घंटे तक कड़ी पूछताछ हुई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब ईडी ने सोमवार को नवी मुंबई स्थित धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी में 4,462.81 करोड़ रुपए मूल्य की 132 एकड़ से अधिक जमीन को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया था। ईडी ने इससे पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामलों में 3,083 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 42 संपत्तियां जब्त की थीं।

अखिलेश यादव समेत विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सीटों पर आए रुझानों में एनडीए बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है, जबकि महागठबंधन को करारा झटका लगने जा रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा 90 और जेडीयू 80 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं राजद 28 और कांग्रेस 5 सीटों पर आगे है। वहीं रुझानों को लेकर अब विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। रुझान में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा और कहा कि बिहार चुनाव के परिणामों ने एसआईआर के खेल को उजागर कर दिया है। इनकी चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा दल नहीं छल है। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्शिवहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाकी जगह पर अब नहीं हो पाएगा, क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा पीपीटीवी मतलब पीडीए प्रहरी चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है बिहार विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस नेता उदित राज ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, ष्यह एनडीए की नहीं, बल्कि एसआईआर और चुनाव आयोग की जीत है।

भीषण हादसा : तेज रफ्तार एक्सयूवी खाई में पलटी, पांच लोगों की मौत

बलरामपुर: मध्य प्रदेश के रतलाम में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। सभी लोग एक वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी उनकी एक्सयूवी कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। मृतकों में परिवार के सदस्य और रिश्तेदार शामिल थे। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह हादसा हो गया, जिसमें बलरामपुर के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी लोग सादुल्लाहनगर इलाके के एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर मुंबई और बड़ौदा लौट रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि एक्सयूवी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शवों को निकालने में पुलिस व रेस्क्यू टीम को कई घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। रेहरा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम ऐलरा के मजरा जल्लहवा निवासी गुलाम रसूल (70) मुंबई में रहते हैं। वहां पर यह निजी व्यवसाय कर रहे थे। जो अपने बेटे खालिद उर्फ पप्पू (30) के साथ पैतृक गांव को 5 नवंबर को आए थे। साथ में चचेरे पोता दानिश (35) व दानिश का बेटा गुलाम मौनुद्दीन (8) व मुंबई के पारिवारिक दुरेश (30) भी थे। ये लोग सादुल्लाहनगर थाना क्षेत्र के जिगना गांव में रिश्तेदार रईस चौधरी के बेटे और बेटी की शादी में शामिल होने एक्सयूवी कार से आए थे। विवाह कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद उन्होंने वापसी की तैयारी की। योजना के अनुसार, 13 नवंबर की सुबह कार मुंबईझ बड़ौदा के लिए रवाना हुई। कार सवारों में शामिल दानिश और गुलाम मोईनुद्दीन को पहले बड़ौदा छोड़ा जाना था, इसके बाद बाकी लोग मुंबई की ओर जाते, लेकिन रास्ते में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मध्य प्रदेश के रतलाम में हादसा हो गया। कार गुलाम रसूल के बेटे खालिद चला रहे थे। कार हाइवे से अनियंत्रित होकर खाई में उतर गई। जिससे कार में सवार सभी पांचों की मौत हो गई। मृतक गुलाम रसूल के भाई मकसूद चौधरी ने बताया कि हादसे की सूचना मिली है। वह अभी मुंबई में हैं और रतलाम के लिए परिजनों के साथ जा रहे हैं।

संपादकीय

बिना छात्र स्कूल

निस्संदेह, शिक्षा मंत्रालय की वह रिपोर्ट परेशान करने वाली है, जिसमें बताया गया है कि बीते शिक्षा सत्र में देश के आठ हजार सरकारी स्कूलों में किसी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया। लेकिन विडंबना यह है कि इन स्कूलों में बीस हजार शिक्षक तैनात हैं। वहीं देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाएं चल रही हैं। वैसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार तीस विद्यार्थियों पर एक शिक्षक अनिवार्य रूप से होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी करके हर जगह विसंगतियां नजर आती हैं। यही वजह है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में आठ हजार स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल में है। यह संख्या 3,812 है, जो बेहद चौंकाने वाली बात है। स्थिति का दूसरा परेशान करने वाला तथ्य यह है कि इसी राज्य के बिना दाखिले वाले स्कूलों में बाकायदा करीब अठारह हजार शिक्षक तैनात हैं। कमोबेश तेलंगाना की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 2,245 स्कूल जीरो एडमिशन वाले हैं तथा एक हजार से ज्यादा शिक्षक यहां तैनात हैं। वहीं भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, जिसका स्थान इस सूची में तीसरा है, वहां 463 स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। बाकायदा 223 शिक्षक इन जीरो एडमिशन वाले स्कूलों में तैनात हैं। वैसे चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में इस बार के मुकाबले पांच हजार स्कूल अधिक ऐसे थे, जहां कोई विद्यार्थी दाखिल नहीं हुआ था। एक विसंगति यह भी है कि स्कूली शिक्षा राज्य सरकारों के अधीन होती है, अतरू केंद्र सरकार का दखल इसमें नहीं होता। लेकिन राज्य सरकार व शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल तो उठता ही है। इसके बावजूद केंद्रीय शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे शून्य दाखिले की परंपरा रोकने के लिये यथासंभव प्रयास करते रहें। बहरहाल, यहां एक सवाल यह भी है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों के शिक्षक छात्रों को स्कूल में लाने के व्यक्तिगत प्रयास क्यों नहीं करते? वैसे कुछ राज्यों के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। जहां शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों की कम संख्या को देखते हुए उनका समायोजन अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में करके संतुलन साधने का प्रयास किया है। यहां हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आदि के शिक्षा विभाग की सराहना करनी होगी, जहां एक भी स्कूल जीरो एडमिशन वाला नहीं था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य भर के जीरो एडमिशन वाले 81 स्कूलों की मान्यता रद करने की प्रक्रिया आरंभ की। इसका मानक यह होगा कि जहां पिछले लगातार तीन शैक्षणिक वर्षों में कोई छात्र दाखिल न हुआ हो। एक परेशान करने वाला आंकड़ा यह भी है कि देश के एक लाख स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ा रहा है, जिसमें करीब तैंतीस लाख छात्र अध्ययनरत हैं। जाहिर है वे छात्र क्या पढ़ रहे होंगे और उनका भविष्य क्या होने जा रहा है। यहां विचारणीय प्रश्न यह भी है कि छात्रों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग क्यों हो रहा है? यह समाज विज्ञानियों के लिए अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कम फीस व पर्याप्त शिक्षक व शिक्षण व्यवस्था के बावजूद छात्र इन स्कूलों में क्यों पढ़ना नहीं चाहते? यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों में नौकरी सुरक्षित और सुविधाएं पर्याप्त होती हैं, वहां कर्मचारी अपना बेहतर प्रदर्शन करते नजर नहीं आते। जबकि निजी स्कूलों में कम वेतन और कम सुविधाओं के बावजूद कर्मचारी जमकर मेहनत करते हैं। वहां शिक्षकों का खूब दोहन होता है लेकिन कक्षाएं छात्र-छात्राओं से भरी होती हैं। विडंबना यह भी कि अभिभावक ज्यादा फीस देकर भी संतुष्ट नजर आते हैं। अक्सर कहा जाता है कि जिस दिन सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों व नेताओं के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने लगेंगे, उस दिन सरकारी स्कूलों की दशा-दिशा सुधर जाएगी। फिलहाल देश में लाखों स्कूलों की स्थिति असंतोषजनक है और इस दिशा में गंभीर प्रयास की मांग की जाती है।

वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन बम

> भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा-फेरी की है। 5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आई जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे-ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। तब भाजपा ने उनका आदतन या रणनीति के तहत मजाक उड़ाया था कि राहुल कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकते तो वोट चोरी का बहाना बनाते हैं। भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे

अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा-फेरी की है। 5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आईं जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे-ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है। और वाकई ऐसा धमाका हुआ है कि चुनाव आयोग और भाजपा पूरी तरह हिल चुके हैं। राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद ही मोदी सरकार में मंत्री किरण रिजीजू ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए हरियाणा का जिक्र कर ध्यान भटकाया जा रहा है। वहीं हरियाणा के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुधवार को राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद चुनाव के विभिन्न चरणों की पारदर्शिता और क्रियान्वयन के बारे में लंबी-चौड़ी सफाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पता चलता है कि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करने की तैयारी पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने बड़े आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं। उनकी तरफ से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है ।ज्ञात हो कि हरियाणा चुनाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा था कि हमारी जीत तय है और सारी व्यवस्था हो गई है। इस व्यवस्था शब्द को पकड़ कर राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा की चुनावी रणनीति में इसका असली मतलब क्या है। किस तरह चुनाव आयोग को जरिया बनाकर भाजपा धांधली करवा रही है। लेकिन किरण रिजीजू का कहना है कि व्यवस्था का मतलब हमारे समर्पित कार्यकताओं की पूरी तैयारी है, जो चुनाव जिताने में मेहनत करते हैं। हालांकि इस वार-पलटवार से उन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे, जो राहुल गांधी ने उठाए हैं। जैसे मतदाता सूची में राहुल गांधी ने एक ब्राजीलियन मॉडल का चेहरा दिखाया, जिसका नाम 22 जगहों पर मतदाता के तौर पर दर्ज था। एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मकान नंबर शून्य उन्हें दिया जाता है, जो दुर्भाग्यशाली लोग बेघर होते हैं। जो लैंपपोस्ट के नीचे या फुटपाथ पर रहते हैं। लेकिन हरियाणा की मतदाता सूची में मकान नंबर शून्य वाले कई मतदाताओं के पास बड़े घर का मालिकाना हक राहुल गांधी ने दिखा दिया। राहुल गांधी ने बताया कि कुछ भाजपा नेता और उनके रिश्तेदार जो उत्तरप्रदेश में वोट डालते हैं, उनका नाम भी हरियाणा की वोटर लिस्ट में था। कई वोटर आईडी में फोटो एकदम धुंधली है और उस धुंधले चेहरे को कई बूथों पर वोटर के तौर पर राहुल गांधी ने दिखा दिया। ऐसी गलतियां दो-चार होती तब भी इन पर संदेह नहीं होता। हालांकि कम्प्यूटर और एआई की मदद से जब वोटर लिस्ट बनाई जा रही हो, तब ऐसी गलतियां शून्य होना चाहिए। लेकिन हरियाणा में दस-बीस नहीं कम से कम 25 लाख मतदाताओं की चोरी की गई है। राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस में कुछ लोगों की आपबीती भी सुनाई गई, जिनके नाम लोकसभा चुनावों के वक्त दर्ज थे और जिन्होंने वोट भी दिए थे। लेकिन विधानसभा में उनके नाम काट दिए गए।संविधान के तहत वयस्क मताधिकार का जो अनूठा उपहार भारतीय नागरिकों को मिला है, वह बेशकीमती है। लेकिन दुख की बात है कि भाजपा के शासन में इस अनमोल तोहफे को चालाकी से छीना जा रहा है। इसलिए बुधवार को राहुल गांधी को सीधा आह्वान करना पड़ा कि जेन जी यानी नयी पीढ़ी के लोग अहिंसक तरीके से इस चोरी को रोकने और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आएं। खुद राहुल गांधी ने भी नागरिक होने के नाते अपनी जिम्मेदारी बताई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट और मीडिया के पाले में भी राहुल ने गेंद डाल दी है कि ये खुद से इस वोट चोरी को रोकने के लिए आगे आते हैं या नहीं। गौरतलब है कि इस समय एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा है। बिहार चुनाव शुरू होने से पहले ही इसे रोकने की याचिकाएं दर्ज करा दी गई थीं, इन पर कई बार अदालत बैठ चुकी है, लेकिन पहले चरण की वोटिंग से पहले भी कोई नतीजा सामने नहीं आया है। उधर देश भर में अब एसआईआर की कवायद शुरू हो गई है। जबकि तमिलनाडु, प.बंगाल और महाराष्ट्र में इसका विरोध हो रहा है ।ज्ञानेश कुमार मतदाता सूची शुद्धिकरण की बात करते हैं। लेकिन अब उन्हें बताना चाहिए कि 2 करोड़ मतदाताओं वाले हरियाणा में 25 लाख फर्जी मतदाताओं के सबूत राहुल गांधी दे चुके हैं और ये संख्या बढ़ सकती है, ऐसे में उनका क्या जवाब है। क्या हर बार की तरह राहुल गांधी के इस दावे पर भी फेक का ठप्पा चुनाव आयोग लगा देगा। याद रहे कि अगस्त में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर के सबूत दिए थे। जिसमें एक ही मकान पर कई लोगों का पता दर्ज होने, फर्जी पते या नाम या उम्र या लिंग के साथ मतदाता के तौर पर दर्ज होने, एक ही व्यक्ति के पास एक से अधिक जगहों के मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) होने के सबूत आए थे और फिर सितम्बर में अलंद सीट पर ऐसे ही सबूत पेश किए थे। लेकिन हर बार राहुल के दावों को खारिज किया गया। क्या इस रवैये के साथ लोकतंत्र बचा रहेगा, यह बड़ा सवाल है।

साहित्य सत्य की साधना और संस्कृति का पर्याय

> शुद्ध, जीवंत और उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदना का आधारस्तंभ होता है। यह मानव के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है जो करुणा, प्रेम, समरसता और नैतिकता से पोषित होती है। साहित्य की यही शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है। इसीलिए कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद या शेक्सपियर जैसे रचनाकार आज भी हमारे समय में उतने ही जीवंत प्रतीत होते हैं, जितने अपने समय में थे। उनकी कृतियाँ केवल शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का दस्तावेज हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना युगों के अंतराल में भी नहीं बदलती केवल उसका रूप बदलता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बावजूद साहित्य मनुष्य को एक ही धरातल पर लाता है। क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैं। किसी भी देश की भाषा और साहित्य उस देश की सभ्यता, संस्कृति और मानसिक प्रगति का सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से उस समाज की आत्मा को समझा जा सकता है। उसके उल्लास, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसकी पीड़ाओं को भी। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को जीवन की आलोचनाह्न कहा था। यह परिभाषा आज के संदर्भ में और भी प्रासंगिक लगती है। क्योंकि साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के नैतिक संकटों का दर्पण भी है। यह विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर गंभीर प्रश्न उठाता है, और व्यक्ति के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है।

संजीव ठाकुर

भारतीय अवार्चीन संस्कृति का दार्शनिक चिंतन सदैव इस बात पर केंद्रित रहा है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतना का संवाहक है। यह चेतना जब अभिव्यक्ति के किसी व्यक्त रूप में प्रवाहित होती है, तो वही अभिव्यक्ति का परिवर्जित रूप साहित्य कहलाती है। साहित्य कोई स्थिर संस्था नहीं, बल्कि वह एक जीवंत अनुभूति जो समय, समाज और संवेदना के साथ निरंतर विकसित होती रहती है। यह सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी। जब मनुष्य अपनी आत्मा के स्पंदन को शब्दों में ढालता है, तब वह न केवल अपने युग का साक्ष्य लिखता है, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के हृदय को आलोकित करता है। शुद्ध, जीवंत और उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदना का आधारस्तंभ होता है। यह मानव के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है जो करुणा, प्रेम, समरसता और नैतिकता से पोषित होती है। साहित्य की यही शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है। इसीलिए कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद या शेक्सपियर जैसे रचनाकार आज भी हमारे समय में उतने ही जीवंत प्रतीत होते हैं, जितने अपने समय में थे। उनकी कृतियाँ केवल शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का दस्तावेज हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना युगों के अंतराल में भी नहीं बदलती केवल उसका रूप बदलता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बावजूद साहित्य मनुष्य को एक ही धरातल पर लाता है। क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैं। किसी भी देश की भाषा और साहित्य उस देश की सभ्यता, संस्कृति और मानसिक प्रगति का सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से उस समाज की आत्मा को समझा जा सकता है। उसके उल्लास, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसकी पीड़ाओं को भी। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को जीवन की आलोचनाह्न कहा था। यह परिभाषा आज के संदर्भ में और भी प्रासंगिक लगती है। क्योंकि साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के नैतिक संकटों का दर्पण भी है। यह विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर गंभीर प्रश्न उठाता है, और व्यक्ति के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है। एक सशक्त लेखक अपने समय की संवेदना का प्रहरी होता है। वह शब्दों के माध्यम से उस मौन को आवाज देता है जो अक्सर व्यवस्था, भय या मोह में दब जाता है। प्राचीन मनीषियों से लेकर आधुनिक लेखकों तक, हर युग का साहित्य मानवता का संपूर्ण चरित्र चित्रण करता है। संस्कृति और साहित्य का संबंध उतना ही गहरा है जितना नदी और जल का। दोनों एक-दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। संस्कृति जहाँ मूल्य, परंपरा और आस्था का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं साहित्य उन मूल्यों को शब्दों में ढालकर पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रवाहित करता है। यही कारण है कि जब समाज किसी मूल्य संकट से गुजरता है, तो सृजनशील साहित्य ही उसे नई दिशा देता है।वर्तमान युग में जब भौतिकता ने मनुष्य की संवेदना को लगभग ढँक लिया है, जब सूचना का विस्फोट तो है पर अनुभूति का अभाव है, तब साहित्य की भूमिका पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गई है। आज का साहित्य केवल विचार का नहीं, बल्कि विवेक का भी माध्यम है। वह तकनीक और संस्कृति के टकराव के बीच मानवीय करुणा की रक्षा करता है। जो साहित्य इस युग में मनुष्य को मानवह्न बने रहने की चेतना देता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है।हिंदी साहित्य की परंपरा विशेष रूप से समन्वय की रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, रवींद्रनाथ टैगोर का आध्यात्मिक सौंदर्य, प्रेमचंद का यथार्थवादी दृष्टिकोण, जयशंकर प्रसाद की भावुकता, फणीश्वरनाथ रेणु की ग्राम्य चेतना ये सभी मिलकर हिंदी साहित्य को जनमानस की आत्मा बनाते हैं। इनकी रचनाएँ समय से परे जाकर उस मनुष्य की खोज करती हैं जो भीतर से एक है, भले ही बाहर से विभाजित हो गया हो। यही कारण है कि इनकी कृतियाँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं। साहित्य एक सामाजिक प्रक्रिया भी है। यह अपने समय की आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है, और उन्हें प्रभावित भी करता है। यथार्थवाद और आदर्शवाद का समन्वय ही साहित्य की पूर्णता है। जयशंकर प्रसाद ने कहा था जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। वह विचार आज भी उतना ही सार्थक है। क्योंकि समाज को बदलने के लिए केवल यथार्थ की समझ नहीं, बल्कि आदर्श की दृष्टि भी आवश्यक है। आज के संदर्भ में साहित्य की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

वोट बैंक के कारण होते हैं धार्मिक आयोजनों में हादसे

> मंदिर एक निजी तीर्थस्थल था, जो धर्मस्व विभाग के तहत पंजीकृत नहीं था। कार्यक्रम आयोजकों ने इतनी बड़ी भीड़ के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी। राज्य सरकार को इस कार्यक्रम के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। देश में होने वाले धार्मिक आयोजनों में लापरवाही और कानून के उल्लंघन की सत्तारुढ़ दल और नेता अनदेखी करते रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह कि कहीं उनका वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक नहीं जाए। इसलिए वे कानून उल्लंघन से होने वाले संभावित हादसों की अनदेखी करते हैं। अन्यथा यह संभव नहीं है कि धार्मिक स्थलों पर किसी एक हादसे के बाद ऐसे हादसों की देश में पुनरावृत्ति होती रहे। वेकंटेश्वर मंदिर में हुआ हादसा इसका नया प्रमाण है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी मंदिर में ऐसा हुआ हो, इससे पहले भी हजारों लोगों की ऐसी घटनाओं में दर्दनाक मौत हो चुकी है। साल 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में 350 से अधिक भक्तों की कुचलकर मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में साल 2008 में नैना देवी मंदिर मची भगदड़ में 162 की जान गई थी। 30 सितम्बर 2008 को राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम की अफवाह से मची में 250 श्रद्धालु मारे गए। 27 अगस्त 2003 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोग मारे गए। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए । भगदड़ की शुरूआत इस अफवाह से हुई कि जिस नदी के पुल को श्रद्धालु पार कर रहे थे, वह टूटने वाला है। 31 मार्च, 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई।

आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में 'पुष्करम' त्योहार के उद्घाटन के दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हर-की-पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोग मारे गए थे। आंध्र प्रदेश में काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। मंदिर एक निजी तीर्थस्थल था, जो धर्मस्व विभाग के तहत पंजीकृत नहीं था। कार्यक्रम आयोजकों ने इतनी बड़ी भीड़ के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी। राज्य सरकार को इस कार्यक्रम के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। देश में होने वाले धार्मिक आयोजनों में लापरवाही और कानून के उल्लंघन की सत्तारुढ़ दल और नेता अनदेखी करते रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह कि कहीं उनका वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक नहीं जाए। इसलिए वे कानून उल्लंघन से होने वाले संभावित हादसों की अनदेखी करते हैं। अन्यथा यह संभव नहीं है कि धार्मिक स्थलों पर किसी एक हादसे के बाद ऐसे हादसों की देश में पुनरावृत्ति होती रहे। वेकंटेश्वर मंदिर में हुआ हादसा इसका नया प्रमाण है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी मंदिर में ऐसा हुआ हो, इससे पहले भी हजारों लोगों की ऐसी घटनाओं में दर्दनाक मौत हो चुकी है। साल 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में 350 से अधिक भक्तों की कुचलकर मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में साल 2008 में नैना देवी मंदिर मची भगदड़ में 162 की जान गई थी। 30 सितम्बर 2008 को राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम की अफवाह से मची में 250 श्रद्धालु मारे गए। 27 अगस्त 2003 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोग मारे गए। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए । भगदड़ की शुरूआत इस अफवाह से हुई कि जिस नदी के पुल को श्रद्धालु पार कर रहे थे, वह टूटने वाला है। 31 मार्च, 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। 14 जनवरी, 2011 को केरल के इडुक्की जिले के सबरीमाला में पुलमेदु में एक जीप से लौट रहे तीर्थ यात्रियों से टकरा गई, जिससे भगदड़ मच गई जिसमें कम से कम 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरा समारोह में पटना के गांधी मैदान में भगदड़ से 32 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी के तट पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल टूटने से लगभग 20 लोग मारे गए। 1 जनवरी, 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ से 12 लोगों की मौत हो गई। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में 'पुष्करम' त्योहार के उद्घाटन के दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हर-की-पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोग मारे गए थे। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई थी। लोग स्वयंभू बाबा से मुफ्त कपड़े और भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे। हरिद्वार मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई 2025 को करंट फैलने की अफवाह के बाद भगदड़ मची, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई। 3 मई, 2025 को गोवा के शिरगांव गांव में श्री लाईराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान अचानक भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान भगदड़ मचने से 30 लोगों की मौत हो गई। हालांकि बाकी रिपोर्ट्स में आंकड़े काफी ज्यादा बताए गए। इन हादसों में घायलों की संख्या भी हजारों में रही। इन सभी हादसों में एक बात समान है कि भीड़ जमा हुई थी और लोगों ने अपनी जान गंवाई। लेकिन ऐसी घटनाएं बार-बार लौट कर पुराने हादसों के जख्म हरे कर देती हैं। बड़ा आयोजन, बड़ी भीड़ और बड़े हादसे। लेकिन सवाल यह है कि आखिर धार्मिक आयोजन में क्यों मचती है भगदड़ और कैसे मरते हैं लोग? अक्सर जब हादसे होते है, जांच रिपोर्ट सामने आती हैं तो प्रशासनिक गलती सामने आती है। आस्था, नाकाफी इंतजाम, कम जगह में ज्यादा श्रद्धालु और मौसम को दोषी ठहराया जाता है। कई हादसों की जांच रिपोर्ट में कहा गया कि जब भगदड़ मची तो लोग एक दूसरे पर गिरने लगे, लोग एक दूसरे को कुचलते हुए आगे बढ़ते गए। रिपोर्ट में कई बार तो कहा गया कि अफरातफरी के बीच लोगों की मौत दम घुटने को लेकर हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 से लेकर 2019 के बीच देश दुनिया में भगदड़ की बड़ी घटनाएं हुए उनमें करीब 79 फीसदी मामले धार्मिक आयोजन के दौरान हुए थे। रिपोर्ट के अध्ययन के अनुसार भारत में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ के प्रमुख कारणों में भौगोलिक स्थान का विशेष महत्व है। भगदड़ की वजह पहाड़ी क्षेत्रों जैसे ढाल, दलदली इलाका, कीचड़ युक्त मैदान, खड़ी ढलान और बारिश से बचाव के इंतजाम न होने के चलते होता है। जबकि विदेशों में म्यूजिक कंसर्ट, स्टेडियम और नाइट क्लबों में होता है। आयोजन स्थल पर भीड़ कितनी आएगी, स्थान विशेष पर कितना लोगों का दबाव होगा, इसकी सटीक जानकारी और बेहतर इंतजाम हो तो हादसे को कंट्रोल किया जा सकता है। कई तरीके हैं जिन्हें अपनाकर भीड़ काबू में की जा सकती है। इन हादसों को रोका जा सकता है, अगर क्राउड मैनेजमेंट को कंट्रोल कर लें। भीड़ को दबाव को लाइन में लगाकर कम कर लें। भगदड़ की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग का इंतजाम रखें और वीवीआईपी मेहमानों के लिए सही तरीके से आगमन का इंतजाम रखें। बैरिकेड लगाकर, स्नेक लाइन एप्रोच बनाकर भीड़ को काबू में किया जा सकता है। ये वो तरीके हैं जिन्हें अपनाकर भगदड़ के प्रभाव को न्यूट्रल किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि घटनास्थल वाले जिले का प्रशासन इन उपायों से वाकिफ नहीं हो, किन्तु लापरवाही और धार्मिक आयोजनों में हस्तक्षेप से नेताओं के वोट बैंक बिगड़ने का भय इसमें आड़े आता है। जब तक यह संकीर्ण सोच बनी रहेगी, तब तक ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेंगी।

मंत्रिपरिषद की बैठक : किरायेदारी पर स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन में राहत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रि परिषद की बैठक में वृद्धावस्था पेंशन के लिए वरिष्ठ नागरिकों को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। घर बैठे उन्हें यह सुविधा मिल सकेगी विभागीय कर्मचारी ही वरिष्ठ नागरिकों से संपर्क करेंगे। इसी तरह किरायेदारी पर स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन में राहत देने का भी निर्णय लिया गया है। इससे मकान मालिक एवं किरायेदारों के बीच होने वाले विवाद कम होंगे। लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में अब पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसे लेकर समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि फैमिली आईडी ह्यएक परिवार-एक पहचानह्ल प्रणाली से पात्र लाभार्थियों का स्वतः चिन्हीकरण होगा और उनकी सहमति मिलने पर पेंशन सीधे स्वीकृत की जाएगी। वर्तमान में 67.50 लाख वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ ले रहे हैं। लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो प्रक्रिया पूरी न कर पाने के कारण पेंशन से बाहर रह जाते हैं। नया फैसला इसी समस्या को हल करने पर केंद्रित है। नई व्यवस्था में फैमिली आईडी के आधार पर सूची स्वतः तैयार होगी, जिनकी आयु अगले 90 दिनों में 60 वर्ष होने जा रही है। यह सूची एपीआई के माध्यम से समाज कल्याण विभाग के पेंशन पोर्टल पर भेजी जाएगी। विभाग सबसे पहले एसएमएस, व्हाट्सऐप और फोन कॉल जैसे डिजिटल माध्यमों से पात्र नागरिकों से सहमति लेगा। जिनकी सहमति डिजिटल रूप से नहीं मिलेगी, उनसे ग्राम पंचायत सहायक, कॉमन सर्विस सेंटर या विभागीय कर्मचारी भौतिक रूप से संपर्क करेंगे। उन्होंने बताया कि सहमति मिलने के बाद योजना अधिकारी 15 दिनों के भीतर डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से पेंशन स्वीकृत करेंगे और स्वीकृति पत्र लाभार्थी को डाक से भेजा जाएगा। भुगतान सीधे आधार-लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा। इसी तरह वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि कैबिनेट ने 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूर कर दी है। इसका उद्देश्य यह है कि भवन स्वामी और किरायेदार दोनों किरायानामा लिखित रूप में तैयार करें और रजिस्ट्री कराएं, जिससे विवाद कम हों। एक वर्ष से अधिक अवधि की किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री अनिवार्य है, लेकिन आमतौर पर अधिकांश किरायानामे मौखिक होते हैं या यदि लिखित होते भी हैं तो उनकी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती। यदि शुल्क अधिक होता है तो लोग विलेख लिखने और रजिस्ट्री कराने से बचते हैं। इसी वजह से मानक किरायेदारी विलेख को बढ़ावा देने और 10 वर्ष तक की अवधि के रेंट एग्रीमेंट को औपचारिक बनाने के लिए शुल्क में व्यापक छूट देने की जरूरत महसूस की गई। इस छूट प्रणाली के तहत किरायेदारी विलेख पर अधिकतम स्टाम्प शुल्क और अधिकतम रजिस्ट्रेशन फीस अब निश्चित राशि से अधिक नहीं ली जाएगी। औसत वार्षिक किराया तय करते समय अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है। नई व्यवस्था के अनुसार अधिकतम स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्री शुल्क की सीमा तय कर दी गई है। चैनमैन भी बन सकेंगे लेखपाल मंत्रि परिषद ने लेखपाल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए चैनमैन के लिए लेखपाल पद पर पदोन्नति का मार्ग खोल दिया है। वित्त मंत्री सुरेशा खन्ना ने बताया कि पंचम संशोधन नियमावली 2025 के तहत अब लेखपाल के कुल पदों में से दो प्रतिशत पद योग्य चैनमैन को पदोन्नति के आधार पर दिए जा सकेंगे। यह पहली बार है जब चैनमैन को सीधी भर्ती व्यवस्था से बाहर निकलकर लेखपाल पद तक प्रमोशन का अवसर मिलेगा। लेखपाल के सभी पदों पर भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से की जाती है। प्रदेश में कुल 30837 स्वीकृत पदों में से 21897 पर तैनाती है, जबकि 8940 पद रिक्त हैं। नई व्यवस्था के तहत वे चैनमैन पदोन्नति के लिए पात्र होंगे जो मौलिक रूप से इसी पद पर नियुक्त हों, भर्ती वर्ष के पहले दिन तक छह वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों और इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हों।

डिजिटल तकनीकी से आई पारदर्शिता : शाही

लखनऊ। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत 72वें अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह का शुभारम्भ करते हुए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने कहा था कि संघे शक्ति कलयुगे। संघ की शक्ति को देखना है तो, उसकी झलक सहकारिता विभाग में दिखाई देती है। वर्ष 2017 के पहले सहकारिता विभाग की स्थिति अत्यन्त दयनीय थी। 2017 में योगी सरकार बनने के उपरान्त सहकारिता विभाग में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे है। प्रदेश के किसानों का विश्वास इसमें बड़ा है। करोड़ों लोगों के जनधन के खाते खोले गये। किसान सम्मान निधि की अनुदान राशि अब सीधे किसानों के खाते में हस्तान्तरित की जा रही है। इसमें 50 लाख सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहकारिता भवन में आयोजित सहकारिता सप्ताह में कृषि मंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीकी से प्रशासन में पारदर्शिता आई है तथा इससे यह जानकारी प्राप्त करना सरल है। 8 साल पहले सहकारी बैंकों से किसान धनराशि अन्तरित करता था, परन्तु आज वह सहकारी बैंकों में पैसा जमा कर रहा है। जिलों में किसानों के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध है। इस दौरान जे0पी0एस0 राठौर ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकारिता योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बी-पैक्स सदस्यता महा अभियानद 2025 की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि अब तक 20 लाख से अधिक सदस्य सहकारिता से जुड़े हैं। 38.47 लाख रुपये का अंशधन संकलित हुआ है। जिला सहकारी बैंकों में जमाराशि के रूप में 457 करोड़ रुपये की प्राप्ति सहकारिता तंत्र में जनविश्वास का मजबूत संकेत है। उन्होंने सहकार सारथी पहल पर भी प्रकाश डालते हुआ कहा कि सहकारी बैंकों को ष्टक्स, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एईपीएस, ई-केवाईसी सहित अनेक तकनीकी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर का गठन किया गया है। उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक द्वारा 5.22 करोड़ रुपये का इक्विटी योगदान किया गया है। सहकारिता क्षेत्र को डिजिटल स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से एम-पैक्स में क्यूआर कोड आधारित भुगतान व्यवस्था लागू की गई है। इस सुविधा के माध्यम से प्रदेश भर के किसान एवं उपभोक्ता अपने मोबाइल से स्कैन कर भुगतान कर सकेंगे, जिससे लेन-देन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं सुरक्षित होगी।

राम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर विहिप की बैठक

लखनऊ। शहर के निराला नगर में स्थित भारतीय शिक्षा संस्थान में विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत की विशेष बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने संगठन के इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राम मंदिर के भव्य ध्वजारोहण समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराना है। इसमें विहिप सदस्यों को स्वागत, आवास, सुरक्षा और परिवहन जैसी जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सशक्त, संगठित और जागरूक हिंदू समाज के निर्माण का प्रतीक है। साथ ही अन्य दो बिंदुओं धर्म रक्षा निधि और प्रखंड स्तर पर ग्राम पंचायतों में कार्यकर्ता निर्माण पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप, प्रांत मंत्री देवेंद्र प्रांत, सह मंत्री अविनाश, प्रवीण, अवध प्रांत के प्रचार प्रमुख नृपेन्द्र विक्रम सिंह एवं विवेक मौजूद रहे।

जयंती पर कांग्रेस ने नेहरू को किया याद

लखनऊ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर पंडित नेहरू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा हुई। संगोष्ठी का संचालन बृजेन्द्र सिंह ने किया। संगोष्ठी में अजय राय ने कहा कि पंडित नेहरू ने आधुनिक भारत की नींव रखी, वैज्ञानिक सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों, समाजवाद, शिक्षा और तकनीकी विकास की दिशा में ठोस आधार तैयार किया। आज देश को नेहरू की सोच और उनके आदर्शों की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। देश में विविधता, भाईचारा और प्रगति तब ही संभव है जब हम समानता, संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों को सर्वोपरि रखें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नेहरू जी के जीवन और उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि उनका सपना एक मजबूत, समावेशी और प्रगतिशील भारत का था। उन्होंने कहा कि आज बिहार में जो नतीजे आए हैं वह चौंकाने वाले हैं। भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से एसआईआर के नाम पर बिहार के लाखों की संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिया जाने तथा उन्हें वोट के अधिकार से वंचित रखना देश के लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उत्तर प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव होना है और वही एसआईआर का खेल अब उत्तर प्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों में भाजपा और चुनाव आयोग द्वारा शुरू कर दिया गया है। ऐसे में हमें बहुत ही सजग और जागरूक रहने की आवश्यकता है, एसआईआर के नाम पर हो रही वोट चारी की धांधली को रोककर भाजपा और चुनाव आयोग को बेनकाब करना है।

नवाचार से होगा खेती - बाड़ी का कायाकल्प : दिनेश

लखनऊ। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा गन्ना विभाग द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश-समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए स्टेकहोल्डर्स कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उद्यान, कृषि विपणन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश की कृषि भूमि व किसानों के अनुभव को देखते हुए बागवानी फसलों में अपार संभावनाएं हैं। पारंपरिक खेती की तुलना में औद्यानिक फसलें कम क्षेत्र में अधिक मूल्य देती हैं। उद्यान विभाग ने 50 वर्ष में उल्लेखनीय कार्यों से अपनी पहचान बनाई है। दिनेश प्रताप सिंह ने कृषि विविधीकरण, औषधीय, मसाले, फूलों और संरक्षित खेती को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का माध्यम बताया। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर सरकार विशेष सहयोग दे रही है, जिससे किसानों का मूल्य संवर्धन और निर्यात क्षमता बढ़ेगी। रूफ-टॉप गार्डनिंग को शहरी क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन का श्रेष्ठ माध्यम बताते हुए प्रथम चरण में लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर, वाराणसी और गोरखपुर जनपद में रूफ-टॉप खेती को प्रोत्साहित करने हेतु निःशुल्क रोपण सामग्री उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रो बैग में टमाटर के पौधों या पालक आदि सब्जियां उगाकर परिवार पूरे मौसम की सब्जी बिना रसायनों के प्राप्त कर सकता है। उन्होंने विशेषज्ञों, किसानों और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीकों, रूफ-टॉप खेती तथा प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान, खाद्य प्रसंस्करण एवं रेशम विभाग बी0एल0 मीणा ने औद्यानिकी एवं गन्ना क्षेत्र के लिए राज्य की दीर्घकालिक रणनीतियों, निवेश प्राथमिकताओं और संस्थागत समन्वय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। सलाहकार कृषि प्रौद्योगिकी नीति आयोग डा0 हर्षिका चौधरी ने बागवानी एवं गन्ना क्षेत्र के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, प्रमुख नीति-सूत्रों, तकनीकी प्रगति और राज्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए। सचिव नियोजन मासूम अली सरवर ने कहा कि विकास की रणनीति एवं कार्ययोजना बनाते हुए बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया जाए। इस अवसर पर अपर गन्ना आयुक्तवी0के0 शुक्ला ने कहा कि आधुनिक तकनीक, दक्षता वृद्धि और मिल-किसान सहयोग से गन्ना क्षेत्र में नई ऊर्जा आएगी। विभाग हितधारकों के साथ समन्वित प्रयास जारी रखेगा। कार्यशाला में बागवानी व गन्ना क्षेत्र के विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसान, कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थाओं के वैज्ञानिक, निर्यातक, एफपीओ, डिलॉइट इंडिया प्रतिनिधि ने सहभाग किया।

मजबूत पंचायतें बढ़ाएँगी महिलाओं की भागीदारी : अमित

लखनऊ। ग्राम पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी को नए आयाम देने और योजनाओं को डेटा के आधार पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए पंचायती राज निदेशालय, राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने कहा कि महिला हितैषी ग्राम पंचायतों का आर्थिक रूप से मजबूत होना अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आर्थिक सशक्तिकरण से ही महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और भागीदारी सुनिश्चित होती है। ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से महिला सभाओं के आयोजन पर से न केवल जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर महिलाओं का दृष्टिकोण भी पंचायत योजनाओं में बेहतर रूप से शामिल हो सकेगा। यह कार्यशाला बेंचमार्क तय करने, गुणवत्ता सुधार और पंचायत स्तर पर जवाबदेही सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही।

पीओएस से एक करोड़ किसानों ने खरीदी खाद : कृषि मंत्री

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि रबी सीजन में किसानों को बीज एवं उर्वरक की निर्बाध उपलब्धता की व्यापक तैयारी की गई है। रबी 2024-25 में 7.86 लाख क्विंटल बीज अनुदान पर वितरित किया गया था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 11.12 लाख क्विंटल का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तोरिया, सरसों एवं अलसी सहित सभी प्रमुख फसलों हेतु लक्ष्य तय किए गए हैं, जिनके सापेक्ष 81 प्रतिशत बीज उपलब्धता तथा 69 प्रतिशत वितरण पूर्ण कर लिया गया है। लोकभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि दलहनी फसलों के 92,518 मिनीकिट (12,413 कु.) का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धता एवं 76,258 मिनीकिट (10,310 कु.) का वितरण सम्पन्न हो चुका है। साथ ही नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स कार्यक्रम के अंतर्गत क्लस्टर प्रदर्शन तथा गन्ने के साथ अंतःफसली खेती हेतु 5,700 कुं. सरसों का बीज किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति संतोषजनक है। 01 अक्टूबर से 13 नवम्बर, 2025 तक प्रदेश में 17.41 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 10.00 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 7.56 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 4.09 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 1.51 लाख मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध रहा। इन्हीं तिथियों के बीच 4.82 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 6.24 लाख मीट्रिक टन डीएपी तथा 3.62 लाख मीट्रिक टन एनपीके का वितरण किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी, ओवररेटिंग एवं टैगिंग के मामलों में विभाग ने कठोर कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेटर और डीएसपी दीप्ति शर्मा से मुलाकात की।

एआरटीओ और पीटीओ समेत आठ के खिलाफ एफआईआर, दो गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। एसटीएफ और परिवहन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में ओवरलोडिंग के नाम पर भ्रष्टाचार के रैकेट का पदार्फाश किया गया है। एआरटीओ और पीटीओ समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ को शिकायतें मिल रही थीं कि यूपी में परिवहन विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से ओवरलोड वाहन रिश्वत देकर मौरंग और मिट्टी लेकर सीमा पार कर रहे हैं, जिससे सरकार को राजस्व की हानि हो रही है।एसटीएफ ने मामले में एआरटीओ लखनऊ उत्तर कमिश्नरेट राजू बंसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज, दलाल अभिनव पांडेय, रितेश पांडेय, चालक कपिल, विनोद यादव, दीवान अनुज, दीवान गिरिजेश और सुनील सचान के खिलाफ मड़ियाव थाना में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। एसटीएफ ने अब तक बोधेपुर छाजन सीतापुर निवासी दलाल अभिनव और कानपुर नगर निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने पांच मोबाइल, दो रजिस्टर, आधार कार्ड, एक कार और एक डंपर जब्त किया है।एसटीएफ को सूचना मिली कि दलाल अभिनव पांडेय ओवरलोड वाहनों को पास कराने का काम करता है और खदरी से सीतापुर की ओर जाने वाला है। एसटीएफ ने उसे भिटौली ओवरब्रिज के पास दबोच लिया। पूछताछ में अभिनव ने बताया कि भाई रितेश और सानू, आरटीओ व पीटीओ अधिकारियों की मिलीभगत से ओवरलोड ट्रकों को पास करवाते हैं तथा इसके एवज में प्रति वाहन तय रकम वसूली जाती है। वह प्रति वाहन 5,500 से 8,000 रुपये लेकर ट्रकों को बिना रोक-टोक आगे बढ़ने देता था।अभिनव पांडेय की निशानदेही पर एसटीएफ टीम आईआईएम तिराहे पर पहुंची और सीतापुर की ओर से आने वाला ओवरलोड मौरंग से भरा एक डंपर पकड़ा गया। चालक कपिल ने बताया कि आरटीओ कार्यालय की श्फीसश अभिनव पांडेय के माध्यम से पहले ही दे दी गई थी, इसलिए कोई अधिकारी उसे नहीं रोकेगा। पकड़े गए डंपर का वजन तौलने पर 66,340 किलो यानि 66.34 टन पाया गया, जबकि अनुमति इससे काफी कम है।अभिनव पांडेय की कार से 2011 की एक पुरानी डायरी और नोटबुक मिली, जिसमें ओवरलोड वाहनों से वसूली गई धनराशि का विस्तृत विवरण दर्ज था। उसके मोबाइल में 122 सदस्यों वाला एक व्हाट्सऐप ग्रुप मिला, जिसमें लोकेशन क्लियरेंस और निर्बाध परिवहन से संबंधित संदेश एवं ऑडियो मिले।

पीजीआई के पास अतिक्रमण मामला निपटाए एलडीए : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एलडीए के विहित प्राधिकारी को आदेश दिया है कि वह पीजीआई के आसपास अतिक्रमण संबंधी मामले का दो माह में निस्तारण करें। इसी के साथ अपर आयुक्त (प्रशासन), लखनऊ को भी निर्देशित किया है कि उक्त के संबंध में जो अपील उनके समक्ष विचाराधीन है, उसका भी दो माह में निस्तारण किया जाए। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय निवासी प्रेम शंकर पांडेय की वर्ष 2018 में दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में राजधानी के अस्पतालों के आस-पास से अतिक्रमण हटाने का आदेश देने का आग्रह किया गया था। साथ ही पीजीआई के मेन गेट के सामने और आस पास अतिक्रमण को हटाए जाने की गुजारिश की गई थी। जिससे वहां खास तौर पर एम्बुलेंस व अन्य जरूरी वाहनों व लोगों का आवागमन सुचारु हो सके। सुनवाई के दौरान कोर्ट को यह भी बताया गया कि अब पीजीआई के आसपास कोई अतिक्रमण नहीं है। वहां दूसरा गेट भी खोल दिया गया है। एलडीए के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि कुछ दुकानदारों के मामले विहित प्राधिकारी के समक्ष लम्बित हैं। कोर्ट ने इन मामलों का दो माह में निपटारा करने के निर्देश देकर याचिका निस्तारित कर दी।

ताजा खबर...

पत्रकार पर हमला करने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस ने मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक स्थानीय पत्रकार पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।स्थानीय पत्रकार और मोहनलालगंज निवासी मुकेश द्विवेदी ने पुलिस थाने में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में कहा कि बृहस्पतिवार (13 नवंबर) शाम करीब 5.40 बजे वह और हिमांशु रावत एक सर्विस सेंटर से अपनी कार (एसयूवी) लेकर जा रहे थे। तभी दो एसयूवी और एक अन्य कार ने उनके वाहन को टक्कर मारने की कोशिश की। जब द्विवेदी अपने भूखंड पर पहुंचे और अपने लोगों को बुलाया, तो तीनों गाड़ियां (दो एसयूवी और एक कार) भी उनका पीछा करते हुए वहां पहुंच गईं। द्विवेदी ने आरोप लगाया कि जब उनका हमलावरों से आमना-सामना हुआ तो उन्होंने उनको लक्ष्य करके गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन पुलिस ने इस आरोप से इनकार किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गाड़ियों में सवार लोगों ने उनके साथ गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी भी दी।

आज लखनऊ आएंगे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार 15 नवंबर को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ पहुंचेंगे। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री शनिवार दोपहर 11.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से सदर जाएंगे और वहां संस्कृत पाठशाला ऑडिटोरियम में और शाम को 4.00 बजे राजाजीपुरम में राजकुमार चिल्ड्रन एकेडमी में वरिष्ठ कार्यकर्ता जन संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उसके बाद राज्यसभा सांसद संजय सेठ के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास जाएंगे। अगले दिन रविवार को अपराह्न 12.00 बजे सेक्टर-19 पासी चौराहा वृंदावन कॉलोनी में शहीद वीरांगना ऊदा देवी के शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और उनकी प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत अपराह्न 1.00 बजे वृंदावन कॉलोनी से एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे और अपराह्न 01.20 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

प्रोविजन स्टोर में लगी भीषण आग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग थाना क्षेत्र स्थित एक प्रोविजन स्टोर में अचानक भीषण आग लग गई। रात करीब 3 बजे इसकी जानकारी कंट्रोल रूम पर दी गई। सूचना पर हजरतगंज फायर स्टेशन से दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड ने करीब 1 घंटे में आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक, गुलामी कसाई मस्जिद के सामने रोड पर स्थित प्रोविजन स्टोर में आग लगी थी। स्टोर महेश साहू का है। जब दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान के भीतर सामान धधक रहा था। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दुकान का लोहे का शटर भी गर्म होकर पूरी तरह लाल हो चुका था। आग तेजी से फैल रही थी और आसपास की दुकानों तक पहुंचने का खतरा बढ़ गया था। स्थिति की गंभीरता देखते हुए फायरकर्मियों ने आग को चारों दिशाओं से घेरकर काबू करने का प्रयास शुरू किया। टीम ने करीब एक घंटे तक लगातार ऑपरेशन चलाया। दमकलकर्मियों की मुस्तैदी के कारण आग को पूरी तरह बुझा लिया गया। पास की अन्य दुकानों को नुकसान से बचा लिया गया। टीम कुछ देर और देर से पहुंचती तो आग फैलकर बड़ा हादसा बन सकती थी। हालांकि, दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में आया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

सीने में दर्द उठा,ड्यूटी के दौरान हेड कॉन्स्टेबल की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह उनके सीने दर्द उठा। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक हेड कॉन्स्टेबल की पहचान रामपाल पांडेय (58) के रूप में हुई। रामपाल मूलरूप से अमेठी के नरहरपुर के रहने वाले थे। वह महानगर पुलिस लाइन में तैनात थे। पास में ही किराए के मकान में रहते थे। मौजूदा समय में उनकी ड्यूटी निरालानगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में लगी थी। इसके पहले वह मंत्री दया शंकर सिंह की सुरक्षा में तैनात थे। परिजनों के मुताबिक, सुबह रामपाल के साथी ने बेटे अमित को फोन किया। बताया कि ड्यूटी के दौरान अचानक रामपाल के सीने में तेज दर्द हुआ है। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। लखनऊ पहुंचने पर परिवार को पत चला कि उन्हें मृत घोषित किया जा चुका। अचानक हुई इस घटना से परिवार सदमे में है। घर में पत्नी ज्ञान पांडेय और तीन बेटे नीरज, अमित और शैलेंद्र हैं। पुलिस विभाग ने हेड कॉन्स्टेबल के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री कंपोजिट विद्यालय सेमरामऊ में बच्चों ने मनाया बड़े ही हर्षोल्लास से बाल दिवस कार्यक्रम

राजकुमार संवाददाता

उन्नाव। पी.एम ,श्री कंपोजिट विद्यालय सेमरामऊ में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में मेले का आयोजन किया गया और विद्यालय में खेलकूद एवं आर्ट प्रतियोगिता के साथ–साथ बच्चों ने अपनी रंग बिरंगी दुकानें

सजाई जिसे बच्चों के साथ–साथ उनके माता–पिता ने भी की जमकर खरीदारी विद्यालय परिसर में बहुत ही खूबसूरत नजारा देखने को मिला बच्चों ने बहुत मन लुभावन दुकानें लगाई कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ शिखा सिंह विनीत कौशल रेनू यादव रामबाबू वर्मा प्रीति सिंह तथा शिखा चौरसिया सुनील कुमार आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा

ददरी मेला में दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न, अर्जुन यादव बने जिला केसरी

बलिया। ऐतिहासिक ददरी मेला के अवसर पर आयोजित दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों ने अपने दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल दौर में धनंजय यादव (बेल्थरारोड), कृष्ण यादव (सिकंदरपुर), अर्जुन यादव (बच्छईपुर) एवं सर्वेश यादव (रसड़ा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जगह बनाई। रोमांचक फाइनल मुकाबले में

बच्छईपुर निवासी अर्जुन यादव ने रसड़ा के सर्वेश यादव को पराजित कर 'जिला केसरी' का खिताब अपने नाम किया। अर्जुन यादव ने 10 पॉइंट हासिल किए, जबकि सर्वेश यादव 2 पॉइंट लेकर उपविजेता रहे। दंगल में बड़ी संख्या में दर्शकों ने उत्साहपूर्वक पहलवानों का हौसला बढ़ाया। विजेता पहलवान को मेले समिति की ओर से सम्मानित किया गया। इस आयोजन से पारंपरिक खेल कुश्ती को नई ऊर्जा मिली और युवाओं में उत्साह का संचार हुआ।

भरौली पुल से ट्रकों के अवैध परिवहन पर सख्ती, जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

अवैध ट्रक संचालन पर जिला प्रशासन सख्त, भरौली व माझीघाट पर लगेंगे हाई–क्वालिटी कैमरे

नंबर प्लेट ढककर ट्रक पार कराने वालों पर होगी कार्रवाई, भरौली पुल पर 24 घंटे निगरानी टीम तैनात रहेगी

बलिया। बिहार की ओर से आने–जाने वाले ट्रकों के अवैध परिवहन और राजस्व हानि की लगातार मिल रही शिकायतों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भरौली मार्ग से प्रतिदिन लगभग 700 ट्रक गुजरते हैं। कई ट्रक चालक आईएसटीपी (इंटर स्टेट ट्रांजिट पास) से बचने के लिए नंबर प्लेट ढकने या बदलने जैसी अवैध हरकतें करते हैं, जिससे

प्रतिदिन कई लाख रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि भरौली पुल पर उच्च गुणवत्ता के कैमरे लगाकर उन्हें आईएसआईपी सिस्टम से जोड़ा जाए। साथ ही माझीघाट पर भी कैमरे लगाने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश खनन अधिकारी को दिया गया। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर 24 घंटे निगरानी के लिए परिवहन विभाग, खनन विभाग, पुलिस एवं एक मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम बनाई जाए। एक टीम भरौली पुल और दूसरी टीम माझीघाट पर तैनात रहेगी।

जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जिले के लगभग 50 ट्रक मालिकों पर कई बार चालान काटा गया है, लेकिन उन्होंने जुर्माना जमा नहीं किया है। इससे राजस्व की क्षति हो रही है। इस पर उन्होंने परिवहन अधिकारी को निर्देश दिया कि ऐसे ट्रक मालिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए वसूली की जाए, एफआईआर दर्ज कर लाइसेंस निरस्त किए जाएं ताकि अन्य लोग भी सबक लें। बैठक में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, एडीएम अनिल कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ददरी मेला में बलिया के कलाकारों को मिलेगा मंच, रजिस्ट्रेशन शुरू

बलिया। ऐतिहासिक ददरी मेला 2025 में इस बार स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की नई पहल की जा रही है। बलिया के उभरते कलाकारों को अपनी कला और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि बलिया के कलाकार गायन, नृत्य, वादन, नाटक, कवि और हास्य जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुति देने के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। यह पहल स्थानीय कलाकारों को पहचान और सम्मान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कलाकारों को अपना रजिस्ट्रेशन अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) के पास मोबाइल नंबर 9792281554 पर या ददरी मेला सांस्कृतिक मंच पर उपस्थित होकर कराना होगा। पंजीकृत कलाकारों को मेला अवधि में मंच पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

ददरी मेला 2025 में पहली बार होगा 'ददरी मेला क्रिकेट कुंभ'

बलिया। ऐतिहासिक ददरी मेला में इस वर्ष खेल प्रेमियों के लिए रोमांचक पहल की जा रही है। पहली बार मेले में 'ददरी मेला क्रिकेट कुंभ' का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 21 नवंबर से 29 नवंबर तक चलेगा, जबकि 29 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि इस क्रिकेट कुंभ में लगभग 100 टीमें भाग लेंगी। टीमें अपना पंजीकरण जिला क्रीड़ा अधिकारी (मोबाइल नंबर 9415842138) पर करा सकती हैं। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि मैच 5 ओवर के प्रारूप में खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होंगे और हर गेंदबाज को केवल एक ओवर फेंकने की अनुमति होगी। सभी मैच केनवास बॉल से खेले जाएंगे ताकि खेल में रोमांच बना रहे। मेले के दौरान खेल के साथ–साथ सांस्कृतिक विभाग की टीम भी मंच पर गायन और वादन प्रस्तुत करेगी, जिससे खेल के साथ मनोरंजन का भी आनंद लोगों को मिलेगा।

ददरी मेला में पहली बार उत्कृष्ट दुकानदार होंगे सम्मानित

बलिया। ऐतिहासिक ददरी मेला में इस वर्ष एक नई पहल की जा रही है। पहली बार मेले में दुकान व्यवसायियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान मेला समापन के दिन ददरी मंच से प्रदान किया जाएगा।

मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन ने बताया कि दुकानदारों का चयन विभिन्न श्रेणियों में किया जाएगा, जिनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। चयन की श्रेणियां इस प्रकार हैं, जिसमें वेंडर जोन, खानपान, मनोरंजन, सौंदर्य प्रसाधन, गृहस्थ वस्तुएं एवं बर्तन, वस्त्र एवं ऊनी वस्त्र, लकड़ी का सामान, गृह साज–सज्जा, बाल वस्तुएं जैसे खिलौने व पुस्तकें, देशी वस्तुएं जैसे चोखा–बाटी, खाजा आदि।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा तैनात सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट इन दुकानों का चयन करेंगे। चयन के मुख्य आधार होंगे। जिसमें उत्पादों की शुद्धता एवं मानकता, दुकान की आकर्षक सजावट, ग्राहक व्यवहार स्वच्छता एवं कूड़ा प्रबंधन कैटरिंग सेवा की गुणवत्ता। उन्होंने कहा कि इस बार वेंडिंग जोन में ठेला और पटरी पर दुकान लगाने वाले छोटे व्यवसायियों से लेकर बड़े दुकानदारों तक सभी को सम्मानित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य व्यापारियों में उत्साह बढ़ाना और मेले की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है।

किसान पर तेंदुए का हमला, हालत गंभीर

मिहींपुरवा। खेत में गन्ना छील रहे एक किसान पर शुक्रवार दोपहर में तेंदुए ने हमला कर दिया, हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों के दौड़ने पर उसकी जान बच सकी। जख्मी किसान को तुरंत पहुंचाकर भर्ती कराया गया। मुर्तिहा रेंज की वन विभाग टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की है। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश और दहशत है।

ग्राम खल्ला पुरैना, अमृतपुर गांव निवासी हरिश्चंद्र (48) शुक्रवार को दोपहर में लगभग 12 बजे के आसपास परिजनों और अन्य ग्रामीणों के साथ अपने खेत

में गन्ना छील रहे थे। इसी दौरान गन्ने के घने खेत से निकले तेंदुए ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

किसान के चिल्लाने पर थोड़ी दूरी पर काम कर रहे मजदूर हांका लगाते हुए दौड़े। भीड़ और शोर से तेंदुआ हरिश्चंद्र को छोड़कर गन्ने के खेत में जा घुसा और ओझल हो गया। हमले में किसान के सिर और गले पर गहरे जख्म हुए हैं।

गांव पहुंचे मुर्तिहा रेंज के वनक्षेत्र अधिकारी रत्नेश कुमार ने जख्मी हरिश्चंद्र को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जख्मी किसान को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

वनक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर तेंदुए के पगचिह्न मिले हैं। खेतों में कॉम्बिंग की जा रही है। रेंजर ने बाघ और तेंदुओं की सक्रियता को देखते हुए वन कर्मियों ने ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

देउवनपुरवा से दो किलोमीटर है दूरीः देउवनपुरवा गांव में बृहस्पतिवार को तेंदुए ने हमला कर किसान भीखन को मारडाला था। 24 घटे के अंदर महज दो किलोमीटर की दूरी पर तेंदुए का यह दूसरा हमला है।

लगाए गए पिंजरे, फॉग लाइट और कैमरेः वनक्षेत्र अधिकारी रत्नेश कुमार ने बताया कि दोपहर में हुए हमले को देखते हुए घटनास्थल के निकट एक पिंजरा, 6 थर्मोसेंसर कैमरे और एक फॉग लाइट लगाई गई है। वहीं देउवनपुरवा गांव में बृहस्पतिवार को हुए हमले के बाद एक पिंजरा, 4 थर्मोसेंसर कैमरे और एक फॉग लाइट लगाई गई।

पीड़ित परिवार को मिली आर्थिक सहायताः मिहींपुरवा सीएचसी पहुंचे वनक्षेत्र अधिकारी रत्नेश कुमार ने बताया कि दोपहर में हमले में घायल हरिश्चंद्र के इलाज के लिए पांच हजार की आर्थिक सहायता परिजनों को दी गई है। वहीं मृतक भीखन के परिवार को ककरहा रेंजर डीपी कनौजिया ने 5 हजार की अहेतुक सहायता राशि प्रदान की।

ददरी मेला 2025: संत समागम के आशीर्वाद से हुआ भव्य शुभारम्भ

संत समागम ने बढ़ाई ददरी मेले की गरिमा, सभी पंथों के संत हुए एकत्र

महर्षि भृगु परंपरा में ददरी मेला आरंभ, 20 से अधिक संतों ने दिया आशीर्वचन

संतों के आशीर्वचनों से गूंजा ददरी मेला भारतेंदु मंच पर दिखी अद्भुत छटा

बलिया। महर्षि भृगु की पौराणिक परंपरा में आयोजित ददरी मेला 2025 का शुभारम्भ शुक्रवार को भव्य संत समागम के साथ हुआ। इस परम पावन अवसर पर देशभर के विभिन्न पंथों और परंपराओं से आए 20 से अधिक पूज्य संतो ने अपने आशीर्वचन और प्रवचनों से ददरी मेला एवं भारतेंदु मंच को दिव्य और आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे सभी पूज्य संतो ने संयुक्त रूप से संपन्न कर संत समागम

का औपचारिक शुभारम्भ किया। इसके पश्चात सभी संतों ने साल, माला और महर्षि भृगु प्रतीक–चिह्न ग्रहण कर जिला प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी पंथों के पूज्य संतों ने अपने प्रवचनों में ददरी मेला की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा का स्मरण कराते हुए ददरी क्षेत्र की धरती, स्थानीय निवासियों तथा विश्व मानवता के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। संत समागम में निम्न संतों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। जिसमें श्री रामाशंकर दास जी महाराज, कामेश्वरधाम कारों, महामण्डलेश्वर कौशलेन्द्र गिरि जी, श्रीनाथ मठ रसड़ा, ब्रह्माकुमारी उमा बहन, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, श्री गुरुप्रीत सिंह जी, रागी हजूरी, सिख पंथ, पूज्य सुनीता तिवारी, गायत्री परिवार, आचार्य ज्ञानप्रकाश वैदिक जी, आर्य समाज, आनन्द गौरांग दास जी, इस्कॉन, श्री दुर्गा प्रसाद पाण्डेय जी, उपादेष्टा, विहंगम योग, भंते राहुल जी, बौद्ध धम्म, श्रीमहंत उमाशंकर साहब, कबीर पंथ, श्रीमहंत गंगासागर शास्त्री जी, दरिया साहब पंथ, श्री धनंजय शर्मा जी, जय गुरुदेव पंथ, सुदेश संत, गोंडवाना, श्री राम बदन दास, शाक्त पंथ, श्री सत्यप्रकाश, सतनामी पंथ, श्री श्रद्धानंद, विहंगम योग, श्री बालक बाबा, लखनेश्वर डीह, श्री योगी स्वामी, श्रीनाथ मठ रसड़ा, श्री भूमक राजेश गोंड, गोंडवाना, श्री सरदार रंजीत सिंह, सिख धर्म, श्रीअमरजीत सिंह, सिख धर्म, श्री सरदार श्रवण सिंह, सिख धर्म पूज्य संतों द्वारा ददरी मेला क्षेत्र का भ्रमण भी किया गया। इस संत समागम के समन्वयक श्री कोशिकीय जी रहे। इस कार्यक्रम में सीआरओ त्रिभुवन आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने पीएम जन विकास कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

बलिया। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक बहुल्य क्षेत्रों में आधार भूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विकास प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। तहसील बेल्थरारोड

के विकास खंड सीयर, ग्राम पंचायत गोविंदपुर दुगौली में राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रस्ताव पर विचार किया गया। लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत वाले इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इसके अलावा तहसील सिकंदरपुर के नगर पंचायत सिकंदरपुर में पाइप पेयजल व्यवस्था स्थापित करने संबंधी 40 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने वाली यह परियोजना क्षेत्र की एक बड़ी आवश्यकता को पूरा करेगी। सभी प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने दोनों प्रोजेक्ट का प्रस्ताव शासन को भेजने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता तथा गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि अल्पसंख्यक बहुल्य क्षेत्रों में विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जा सकें। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर डीएम मंगला प्रसाद सिंह की बैठक, बीएलओ को मिली सख्त हिदायतें

बलिया। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं गणना प्रपत्र वितरण की समीक्षा की गई।

डीएम ने बताया कि बूथ नंबर 27, बलिया नगर में 100 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा कर लिया गया है। वहीं, बूथ नंबर 28 के बीएलओ ने भी 100 प्रतिशत वितरण होने की जानकारी दी। हालांकि राजनीतिक दलों की शिकायतों पर जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलओ को गणना प्रपत्र की प्राप्ति का प्रमाण–पत्र सुरक्षित रखना होगा। बूथ नंबर 243, बलिया नगर में भी शिकायत प्राप्त हुई है, जिस पर जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिकंदरपुर के बूथ नंबर 9 और बलिया नगर के बूथ नंबर 303 पर बीएलओ फील्ड में

नहीं दिखे हैं, इस पर भी कार्यवाही होगी। उन्होंने बूथ में बदलाव से संबंधित प्रस्ताव 16 नवंबर तक देने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि राजनीतिक दल भी अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की सूची निर्धारित प्रारूप में दें। और जिन दलों ने अभी तक बीएलए की नियुक्ति नहीं की है जल्द से जल्द नियुक्त कर उनकी सूची हमें उपलब्ध कराए उन्होंने कहा, "बीएलओ और बीएलए मिलकर कार्य करेंगे तो मतदाता सूची का कार्य अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगा।" डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि जिन राजनीतिक दलों ने अपने बीएलए की तैनाती कर दी है, उनके साथ बीएलओ बैठक करें ताकि समन्वय बना रहे। बैठक में एडीएम अनिल कुमार एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।